

राजस्थान की नदी-जोड़ो परियोजना

चर्चा में क्यों?

राजस्थान में प्रस्तावित नदी-जोड़ो परियोजना, जिसका उद्देश्य राज्य में बढ़ती **जल कमी** को दूर करना है, ने इसके संभावित पर्यावरणीय प्रभाव पर महत्त्वपूर्ण बहस छेड़ दी है।

इस नहर परियोजना से **चंबल नदी** बेसिन के अधिशेष जल को राजस्थान के 23 जिलों में **सचिाई**, पेयजल और औद्योगिक उपयोग के लिये उपलब्ध कराए जाने की संभावना है, जिससे **3.45 करोड़** लोग लाभान्वित होंगे।

मुख्य बढि

- यह **नदी जोड़ो परियोजना रणथंभौर टाइगर रज़िर्व** के लगभग **37 वर्ग किलोमीटर** के संभावित जलमग्न क्षेत्र पर आधारित है।
- यह **जलमग्नता पारवती-कालीसिंधि-चंबल-पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (PKC-ERCP)** के तहत प्रस्तावित सबसे बड़े बाँध के कारण होगी, जो महत्वाकांक्षी **नदियों को जोड़ने (ILR)** कार्यक्रम का हिस्सा है।
 - राजस्थान में **PKC-ERCP परियोजना में कुल 408.86 वर्ग किलोमीटर** डूब क्षेत्र शामिल है। इसमें से **227 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र चंबल की सहायक नदी बनास** पर प्रस्तावित बाँध के जलाशय के नीचे डूब जाएगा।
 - यह बाँध **39 मीटर ऊँचा** और **1.6 किलोमी. लंबा बनाया जाएगा, जो सवाई माधोपुर** से लगभग 30 किलोमी. दूर डूंगरी गाँव के पास स्थित होगा।
 - रणथंभौर **तीसरा बाघ अभयारण्य** है, जो आगामी जलाशयों के कारण भूमि के नुकसान का सामना कर रहा है।
 - परियोजना विवरण से पता चलता है कि **37.03 वर्ग किलोमी. क्षेत्र रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान (392 वर्ग किलोमी.)** और **केलादेवी वन्यजीव अभयारण्य (674 वर्ग किलोमी.)** का है, जो दोनों रणथंभौर बाघ अभयारण्य (1,113 वर्ग किलोमी.) का हिस्सा है, जहाँ वर्तमान में **57 बाघ** हैं।
- परियोजना की पर्यावरणीय लागत एक विवादास्पद मुद्दा बन गई है। संरक्षणवादियों ने चेतावनी दी है **रणथंभौर टाइगर रज़िर्व के कुछ हिस्सों के जलमग्न होने से** भारत के सबसे प्रसिद्ध वन्यजीव अभयारण्यों में से एक की जैव विविधता को खतरा हो सकता है।
- **रणथंभौर, बाघों और अन्य प्रजातियों** की स्थिर आबादी का पर्यावास है, जो देश के संरक्षण प्रयासों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

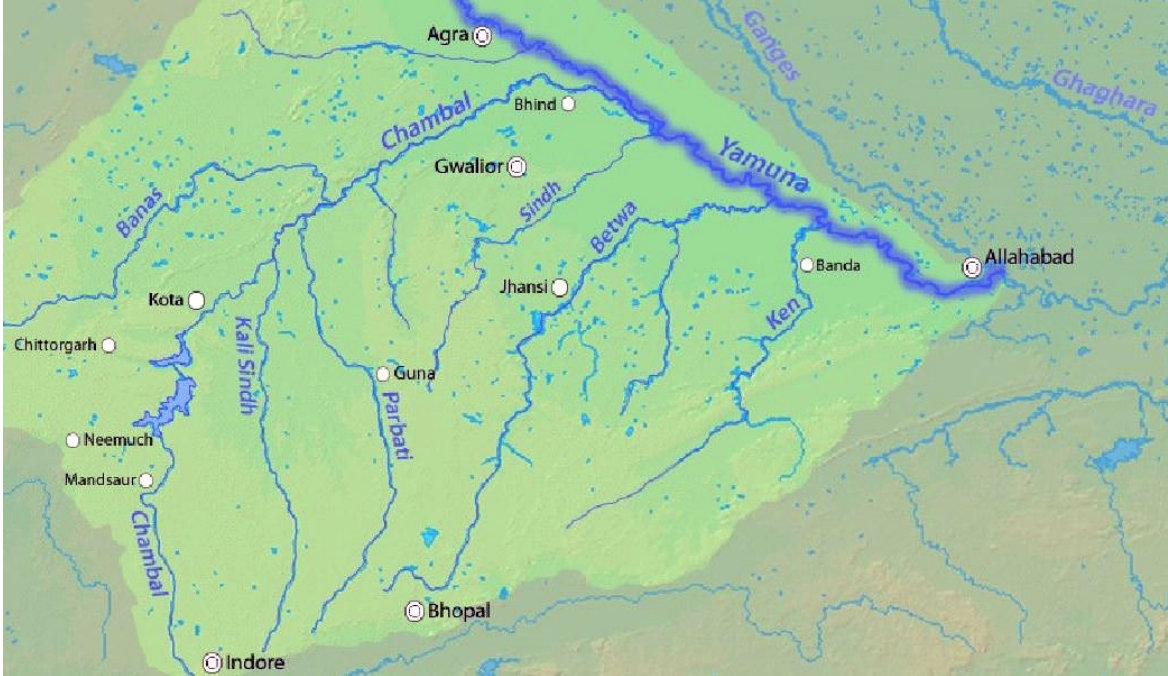
नोट:

- भूमि हानि का सामना कर रही अन्य परियोजनाओं में शामिल हैं:
 - उत्तर कोयल जलाशय परियोजना से झारखंड के **पलामु बाघ अभयारण्य** का 10.07 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र जलमग्न हो जाएगा, जबकि **केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना** से मध्य प्रदेश के **पनना बाघ रज़िर्व** का **41.41 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र** जलमग्न हो जाएगा।

WHAT THE PROJECT ENTAILS



चंबल नदी



- **चंबल नदी वधिय परवत** (इंदौर, मध्य प्रदेश) की उत्तरी ढलानों में सगिर चौरी चोटी से निकलती है। वहाँ से यह मध्य प्रदेश में उत्तर दशा में लगभग **346 किलोमीटर की लंबाई तक बहती है और फरि** राजस्थान से होकर **225 किलोमीटर** की लंबाई तक उत्तर-पूर्व दशा में बहती है।
- यह नदी उत्तर प्रदेश में प्रवेश करती है और इटावा ज़िले में **यमुना नदी में मिलने से पहले लगभग 32 कर्मी.** तक बहती है।
- यह एक बरसाती नदी है और इसका बेसनि **वधिय परवत श्रृंखलाओं** और **अरावली** से घरि हुआ है। चंबल और इसकी सहायक नदरिँ उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र को जल से भरती हैं।
- राजस्थान में हाड़ौती **पठार मेवाड़ मैदान** के दक्षणि-पूर्व में चंबल नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में स्थति है।

- सहायक नदररररर: बनरसन, करली सधर, [शपररर \(कषपररर\)](#), [पररबती](#), आदर
- मुख्य वदररुत पररररररररर/बररध: [गररधी सरगर बररध](#), [ररगर पररतपर सरगर बररध](#), [जवरहर सरगर बररध](#) और [कोटा बैररज](#) ।
- [ररषट्टरीर चंबल अभररररणर](#) ररजसुथरन, मधुु परदेश और उतुतर परदेश के तुररररररररर पर चंबल नदी के कनरररे सुथरररर है ।
- यह गंभीर रूड से लुडुतपररर [घडुडररल](#), [रेड कररररन रूडुड टररुल](#) और लुडुतपररर [गंगर नदी डररलफनर](#) के लरररर ररररर है ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rajsthans-river-link-project>

